BN : 978-81-[illegible]

लोक साहित्य में सांस्कृतिक चेतना

प्राचार्य/संरक्षक
डॉ. जी.एस. रोहित

संपादक
डॉ. सरोज गुप्ता, डॉ. छाया चौकसे
डॉ. रंजना मिश्रा, डॉ. विनय शर्मा

पं. दीनदयाल उपाध्याय
शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

आयोजक

हिन्दी विभाग

पं. दीनदयाल उपाध्याय शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय

सागर (म.प्र.)

प्रकाशन वर्ष : अगस्त 2016

मूल्य : 400/-

ISBN No. 978-81-89740-14-6

मुद्रण : स्वतंत्र कम्प्यूटर एण्ड प्रिंटर

इतवारी वार्ड, सागर (म.प्र.)

मोबा. 9981466528, 243728

प्रकाशक : कृष्णा कम्प्यूटर, सागर

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रमणिका

1. लोक साहित्य : एक सर्वेक्षण — 01
   डॉ. सरोज गुप्ता
2. बुन्देली शब्दों का व्युत्पत्ति मूलक अध्ययन — 06
   दुर्गाचरण शुक्ल
3. लोक साहित्य की अवधारणा — 14
   हरिविष्णु अवस्थी
4. बुन्देली और उसके संस्कार — 23
   पं. गुणसागर 'सत्यार्थी'
5. भागवत चेतना का संस्कारण — 30
   डॉ. पं. सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी ''चैतन्य''
6. लोक का दर्पण : बुंदेली साहित्य — 44
   डॉ. संध्या टिकेकर
7. लोक साहित्य कला एवं संस्कृति : एक विवेचन — 50
   डॉ. श्रीमती शोभा मिश्रा
8. ध्वनि, संरचनावाद एवं लोक साहित्य : प्रकृति एवं स्वरूप — 54
   डॉ. विकल्प पाराशर
9. लोक साहित्य और भारतीय स्वतत्रंता संग्राम — 56
   डॉ. श्रीमती राजेश जैन
10. लोकसाहित्य : बुन्देलखंड के झरोखे से — 61
    डॉ. रंजना मिश्रा
11. बुन्देली लोक गाथाओं में सांस्कृतिक जीवन मूल्य — 65
    डॉ. छाया चौकसे
12. बुन्देली संस्कृति के अतिलोकप्रिय खेल नृत्य, त्यौहार, मामुलिया — 73
    विनीता दोहरे
13. लोक साहित्य और संचार माध्यम — 80
    डॉ. अलीम अहमद खान
14. बुन्देली संस्कृति और लोक जीवन — 83
    डॉ. संगीता सुहाने

Scanned with OKEN Scanner

15. लोक साहित्य और समाज
श्रीमति राजकिशोरी मिंज 100

16. लोक – वाचिक परंपरा बघेली के संदर्भ में
डॉ. अंजली सिंह 107

17. Charisma of Figurative Language in Folklore Adaptations: A Case Study of Dilemma and Paheli
Dr. Apara Tiwari 122

18. लोक साहित्य मे संवेदना
डॉ. अनिता लक्ष्मणराव ठाकरे, डॉ. अमित शुक्ल 126

19. "लोक–साहित्य और लोक–संस्कृति की अवधारणा"
डॉ. घनश्याम भारती 130

20. "कोलाम" आंध्र प्रदेश की आदिवासी संस्कृति के संदर्भ में
बी. हेमलता 133

21. लोक कला सामाजिक परम्पराऐं और इनका समाज में औचित्य
रूपा ठाकुर, अनिता सोनी 137

22. लोक साहित्य में सांस्कृतिक चेतना
डॉ. यशेश्वरी ध्रुव 142

23. लोक साहित्य की परम्परा : लोक क्या है
लखन यादव 152

24. "आधुनिक काल में निर्जीव अवधारणा में भारतीयों के विलुप्त होते लोकसाहित्य एवं स्वास्थ विज्ञान का दर्शन"
डॉ. एस.के. भटनागर 155

25. लोक साहित्य में स्वतन्त्रता संग्राम के लोकगीत
डॉ. आनन्दसिंह पटेल 165

26. लोक साहित्य और समाज : अंतर्सम्बन्ध
डॉ. तृप्ति उकास 171

27. लोक साहित्य की प्रासंगिकता
डॉ. हेमलता सोनी

Scanned with OKEN Scanner

28. लोक साहित्य की परंपरा 179
श्रीमति ज्योति भरणे
29. "लोक साहित्य में समाज व संस्कृति" 183
आरती तिर्की
30. लोक साहित्य और इतिहास 187
धनीराम अहिरवार
31. "सूरदास के साहित्य में ब्रज की लोक संस्कृति और व्यंग्य" 190
डॉ. बिप्पू रजक
32. स्वतंत्रता संग्राम और बुन्देलखण्ड का लोकगीत 201
डॉ. मधुसूदन मिश्र
33. मालवी लोकगीत 208
भूपेन्द्र सुल्लेरे
34. बुन्देली लोक साहित्य में उत्सव पर्व 211
डॉ0 धर्मेन्द्र कुमार
35. लोकसाहित्य की अवधारणा 217
डॉ0 संजय कुमार मिश्र
36. लोक साहित्य और इतिहास 222
श्रीमती भावना व्यास
37. पूर्वोत्तर भारत की लोक–संस्कृति 232
सुनील कुमार
38. हिन्दी बाल लोक साहित्य की परम्परा : एक विवेचन 242
डॉ. (श्रीमती) भारती रजक
39. Role of Nyantara Sahgal and Other English Writer in English 246
in Folk Literature
Sunita Gupta
40. नागार्जुन की कविता में लोक चेतना 250
डॉ भावना शर्मा

Scanned with OKEN Scanner

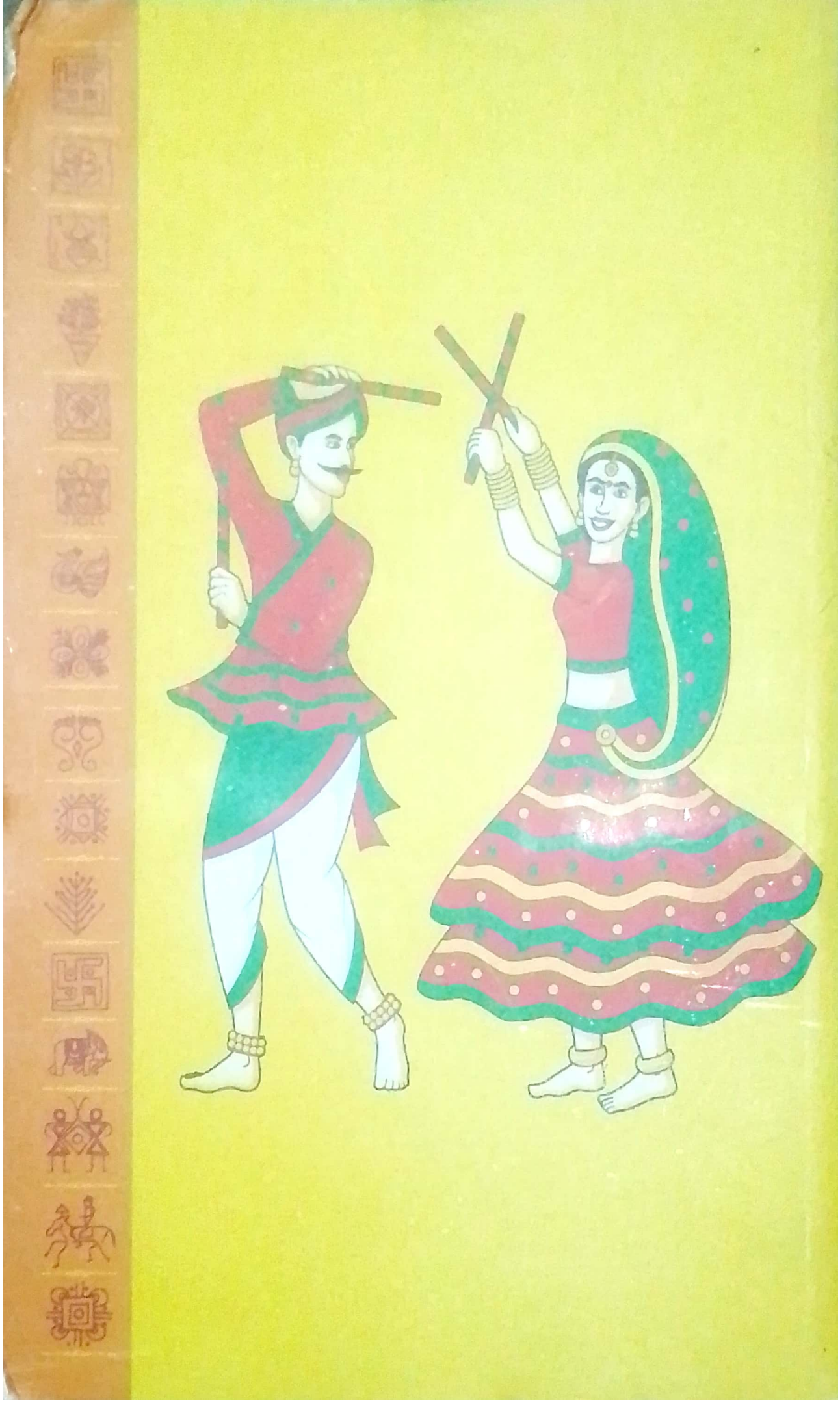

Scanned with OKEN Scanner